यह रंग–पुस्तिका एक ऐसी सामाजिक समस्या का सामना करती है, जो कि भारतीय समाज में लम्बे समय से मजबूत एवं स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। चूंकि, बाल यौन उत्पीड़न कोई प्रयोगशाला में बना समीकरण नहीं है, बल्कि लिंग–भेद, जाति–भेद, शारीरिक एवं मानसिक अक्षमता, बचपन एवं परिवार आदि से बने जटिल सामाजिक ताने–बाने में होने वाली हिंसा है। इसलिए, इस मुद्दे के समाधान के लिए भी एक बहुस्तरीय, ठोस तथा नियमित सहभागिता की आवश्यकता है।

नोट – इस रंग–पुस्तिका का उपयोग अभिभावक या प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिका की उपस्थिति में ही करने की सलाह दी जाती है।

बाल यौन शोषण क्या है?

निम्नलिखित व्यवहार की सूची बाल यौन शोषण है, किन्तु यह सूची बाल यौन शोषण का सूचक मात्र है-

- जनन अंगों को बच्चों के शरीर से रगड़ना।
- बच्चे के मुंह और छाती पर हाथ लगाना/रगड़ना।
- बच्चे को जबरन पकड़ कर उनके दोनों पैरों के बीच में हाथ लगाना, छाती पर हाथ लगाना, और उनसे ऐसा ही स्पर्श अपने, या किसी दूसरे इंसान या बच्चे के शरीर पर करवाना (जबरदस्ती या उत्तेजित करके)।
- बच्चे के सामने अपने निजी अंगों को रगड़ना या जोर से रगड़ना।
- बच्चे को छिप कर कपड़े बदलते हुए देखना या शौच के समय छिप के देखना।
- बच्चे को बहला–फुसला कर अश्लील फोटो/किताब दिखाना, या बच्चे की नग्न फोटो खींचना।
- बच्चे से अश्लील बातें करना, अश्लील वीडियो दिखाना।

बच्चों से बाल यौन शोषण के बारे में बात करना क्यों जरूरी है?

बच्चों से बाल यौन शोषण के बारे में बात करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि भारत सरकार के 'महिला एवं बाल विकास मंत्रालय' द्वारा 2007 में कराये गए सर्वे के अनुसार, 53.224 बच्चे, 52.944 बालक, और 47.064 बालिका, 18 साल के होने तक किसी न किसी प्रकार के यौन शोषण का शिकार हो जाते हैं। इन अर्थों में यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में हर दूसरा बच्चा यौन शोषण से पीड़ित है। बच्चों से बाल यौन शोषण के बारे में बात करके इसे पहचानने की और इससे बचाव के कौशल की जानकारी देकर हम बच्चों को सशक्त बना सकते हैं, ताकि वे बिना डरे, बिना शरमाये, बेहिचक होकर अपने भरोसेमंद बड़ो को आपबीती बता सकें।

अभिभावक एवं अध्यापक/अध्यापिका के लिए
पुस्तक को इस्तेमाल करने की जानकारी :

बच्चों में आत्म विश्वास जगाना (पृष्ठ 3 से 6) – बच्चों को यह बताना आवश्यक है कि वे खास हैं, इससे उनके अंदर अपना ख्याल रखने की इच्छा मजबूत बनेगी। बच्चों का शोषण करने वाले लोग बच्चों के कमजोर आत्मविश्वास का फायदा उठाते हैं। अपने फायदे के लिए वे बच्चों को बहका देते हैं। मजबूत आत्मविश्वास होने पर बच्चों के बहकने का खतरा कम हो जाता है।

स्वयं की देखभाल और सुरक्षा (पृष्ठ 7-8) – क्योंकि बच्चे खास होते हैं, इसलिये ये जरूरी है कि उनका ख्याल रखा जाये, बच्चों को प्रेरित करें कि वे सोचें कि किस-किस तरह से वे अपना ख्याल रख सकते हैं? इस प्रक्रिया से बच्चे अपने बारे में गंभीरता से सोचेंगे, और खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।

निजी चेतना चक्र (पृष्ठ 9-14)- बच्चे को बतायें कि हर इंसान के चारों ओर एक चेतना चक्र होता है, जो हमारे अंदर की आवाज से बनता है, हमारे अंदर की आवाज हमारे दिल से जुड़ी होती है। जब हमारे चेतना चक्र में बदलाव आता है, वह हमें पता चल जाता है, अगर बदलाव अच्छा हो तो हमें अच्छा महसूस होता है, और अगर बदलाव बुरा तो हमें बुरा महसूस होता है। इसलिए ये जरूरी हम अपनी भावनाओं पर ध्यान दें, और उन पर भरोसा करें। उदाहरण के लिये- जब माता-पिता बच्चों को गले हैं, तो बच्चों का अच्छा लगता है, कोई उन्हें मारे या चोट पहुचायें तो उन्हें बुरा लगता है।

असुरक्षित गुप्त स्पर्श (पृष्ठ 15-17) - बच्चे को बतायें कि गुप्त स्पर्श किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होता। यह असुरक्षित होता है। मुंह पर, छाती पर, और दोनों पैरों के बीच में कभी भी कोई हाथ नहीं लगाता। ये हमारे शरीर के निजी अंग हैं। सिर्फ दो स्थिति में शरीर के इन हिस्सों पर हाथ लगाया जा सकता है-

1. डॉक्टर जांच के लिए, किसी भरोसेमंद बड़े की मौजूदगी में।
2. 1 से 6 साल तक की उम्र के बच्चों को साफ-सफाई और नहाने के लिए बड़ों की मदद की जरूरत होती है। ऐसे स्पर्श की जानकारी गुप्त रखने की आवश्यकता नहीं है। आप इसके बारे में बात कर सकते हैं।

असुरक्षित गुप्त स्पर्श की स्थिति में बच्चों को करना चाहिए (पृष्ठ 18-20)- बच्चे को बतायें कि अगर उन्हें कोई निजी अंगों को हाथ लगाये, कोई उन्हें असहज महसूस कराये, तो उन्हें **सुरक्षा का नियम अपनाना चाहिए-**

1. यदि बच्चे विरोध करने की स्थिति में हो तो वे बोल कर या सांकेतिक भाषा में विरोध करने की कोशिश करें। यह भी हो सकता है कि विरोध करना संभव न हो तो, इसके लिये खुद को दोष न दें।
2. बच्चों को यह बतायें कि मदद हमेशा आपके आस-पास उपलब्ध है।
3. किसी भरोसेमंद बड़े को बताना चाहिए, और तब तक बताना चाहिये जब तक वो आपकी मदद न करें।

कई बार बच्चे यौन शोषण की परिस्थिति में खुद को दोषी मानते हैं, इसलिये ये जरूरी है कि आप बच्चों को बतायें कि अगर कोई उन्हें असहज मसूस कराये, या गुप्त स्पर्श करे तो यह बच्चों की गलती नहीं है।

अपने बच्चे की मदद करने के लिए आप अपने जिले की बाल कल्याण समिति से सम्पर्क कर सकते हैं। आपके द्वारा दी गयी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

प्यारे दोस्तों! हम आपके साथ जरूरी जानकारी बाँटना चाहते हैं,
जो हमें, हमारे बड़ों ने बताई है-हमारी सुरक्षा की बात।

हर बच्चा खास होता है।

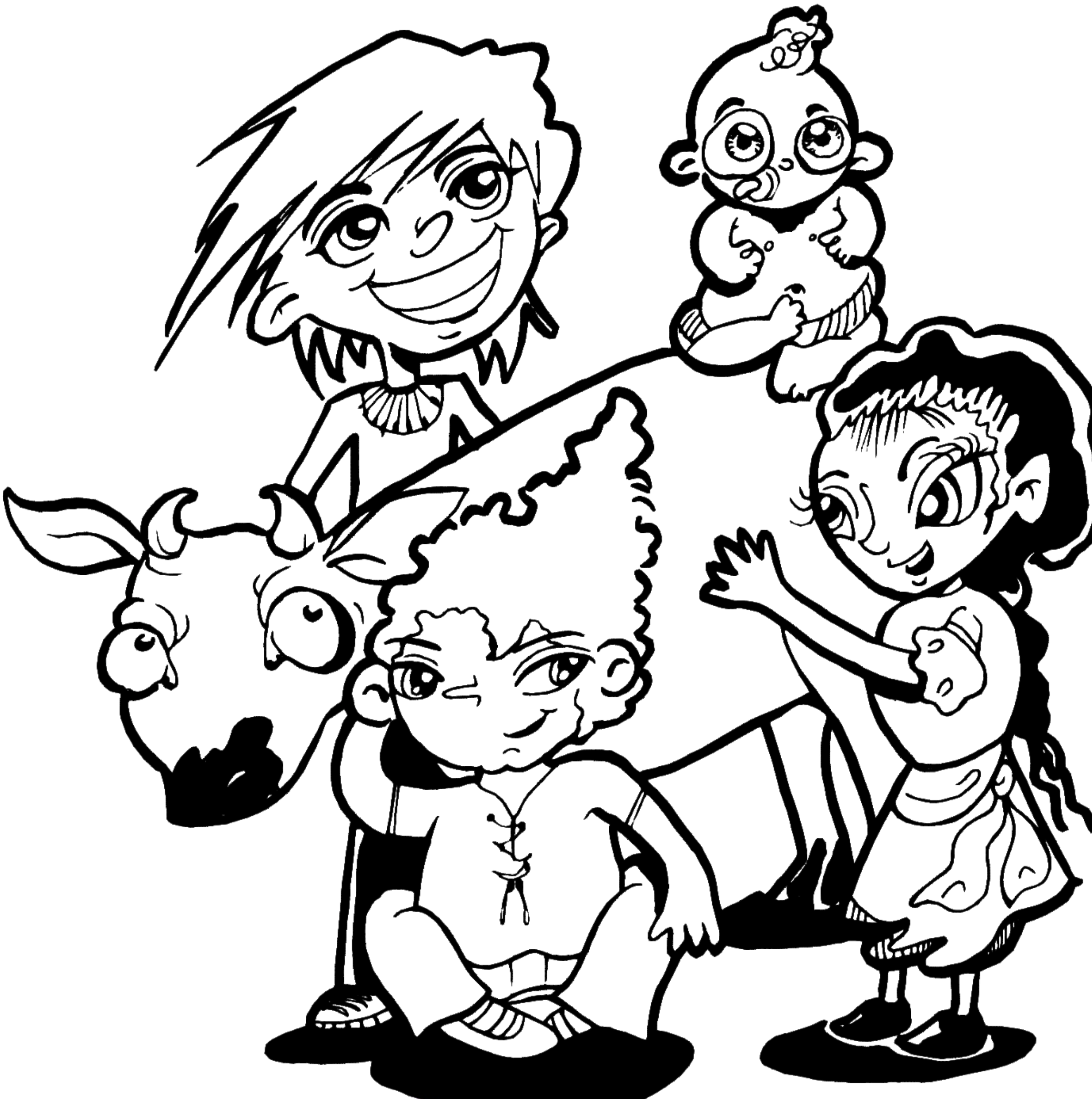

हमारे दोस्त भी खास होते हैं। हो सकता है कि हम अलग-अलग कपड़े पहनते हों, अलग तरह का खाना खाते हों, अलग दिखते हों, हमारे शरीर की बनावट अलग हो सकती है, हम दुनिया को महसूस करने के लिए आँखों का, या स्पर्श का इस्तेमाल करते हों, लेकिन हम सब अलग होते हुए भी खास हैं।

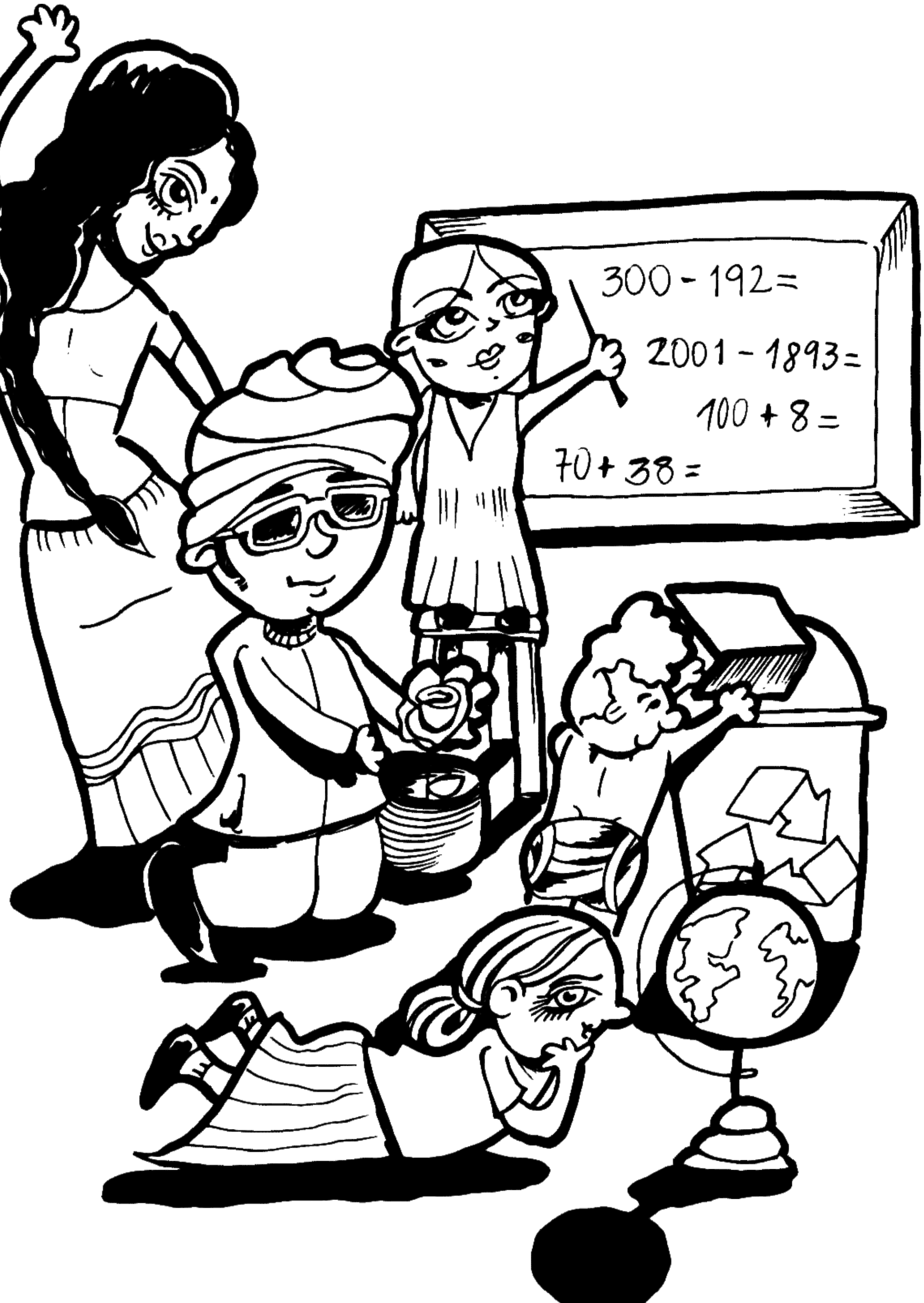

हम खास इसलिए हैं क्योंकि हम सब में कोई न कोई खास बात होती है, जो हमें खास बनाती है। जैसे कुछ बच्चों को नाचना पसंद होता है, कुछ को दुनिया के बारे में जानना पसंद होता है। कुछ बच्चों को पुराने समान से नयी चीजें बाने का शौक होता है, और कुछ बच्चों को बागबानी, एवं पढ़ाई करने का शौक होता है। क्या आप बतायेंगे कि आपको क्या करना अच्छा लगता है?

क्योंकि हम खास होते हैं इसलिए हम अपना और अपनी सुरक्षा का ख्याल रखते हैं।

हम रोज नहाते हैं और दाँत साफ करते हैं, जब हमारी तबियत खराब होती है तब हम डॉक्टर के पास जाते हैं। हम गाड़ी में सीट बेल्ट लगाते हैं, और पौष्टिक आहार भी खाते हैं, आदि। क्या आप बतायेंगे कि आप कैसे अपना ख्याल रखते हैं?

एक और जरूरी तरह से हम अपनी सुरक्षा का ख्याल रखते हैं, वो है दिल की आवाज सुन कर। हमारी दिल की आवाज हमारे चारों ओर एक चेतना चक्र बनाती है। चक्र के अंदर की जगह हमारी अपनी होती है। जब कोई भी नुकसान पहुचाँने वाली चीज हमारे इस चक्र के अंदर आती है, हमारे दिल की आवाज हमें चेतावनी देती है, हमें उसको सुनना चाहिए, और अपने से बड़ों की सहायता लेनी चाहिए, जिन पर हमें भरोसा हो। क्या आप बताओगे कि आपको किन बड़ों पर भरोसा है?

हमारी रोज की

जिन्दगी में हम एक दूसरे से

बात करते समय अपने हाथों का

इस्तेमाल भी करते हैं।

हाथ लगाने को स्पर्श भी कहा जाता है।

स्पर्श तीन तरह का होता है।

(1) सुरक्षित स्पर्श

(2) असुरक्षित स्पर्श

(3) गुप्त स्पर्श

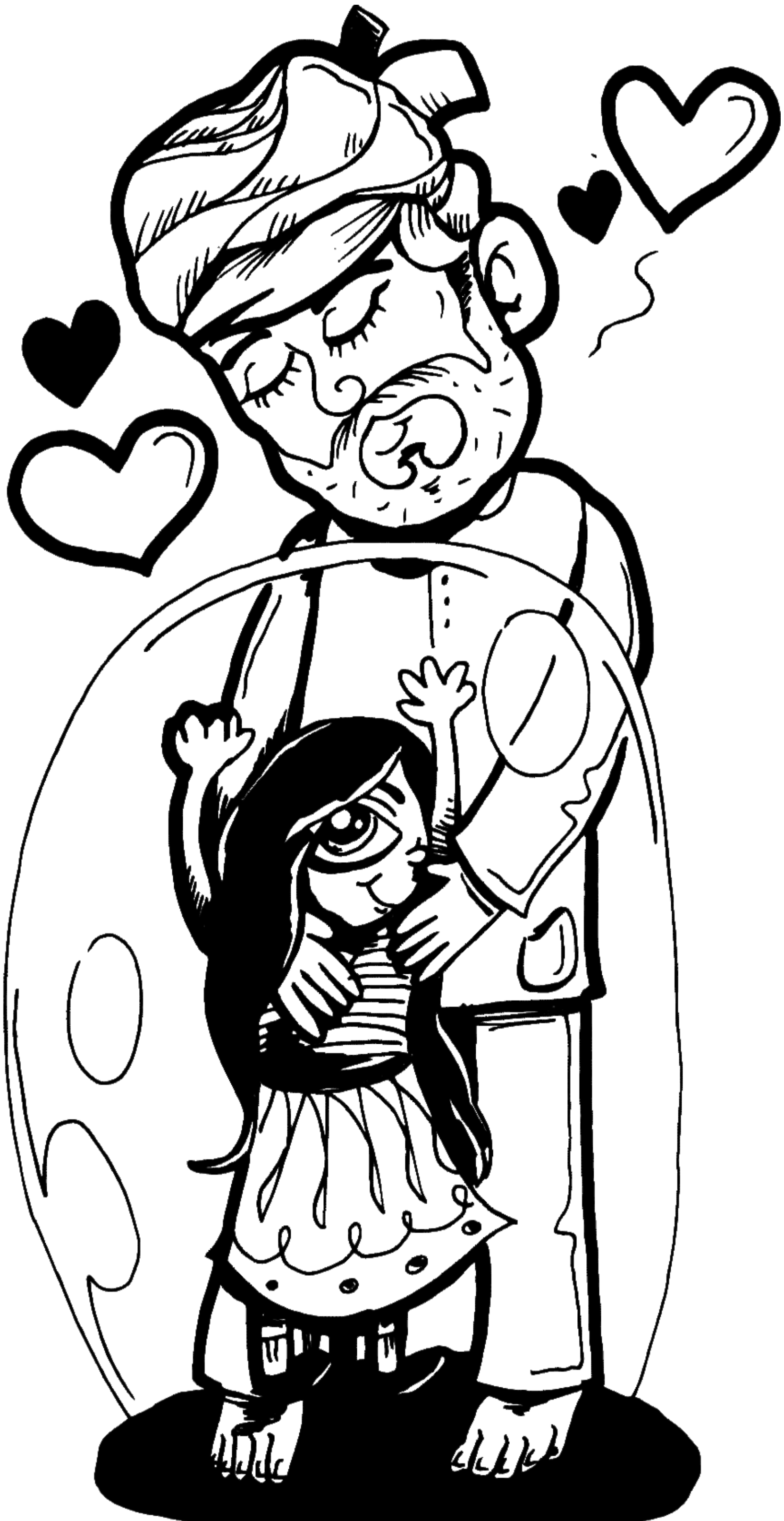

सुरक्षित स्पर्श अच्छे होते हैं, यह हमारे चेतना चक्र को नुकसान नहीं पहुंचाते।
जब हमारे माता-पिता या दोस्त हमें गले लगाते हैं, या हमारी टीचर हमें कंधे पर शाबाशी दें
या हाथ मिलाना सुरक्षित स्पर्श कहलाता है।

सुरक्षित स्पर्श हमें खुशी एवं आश्वासन देता है। इससे हमें शर्म महसूस नहीं होती है।
क्या आप बताओगे कि कैसा स्पर्श आपको सुरक्षित लगता है? आपको खुशी देता है?

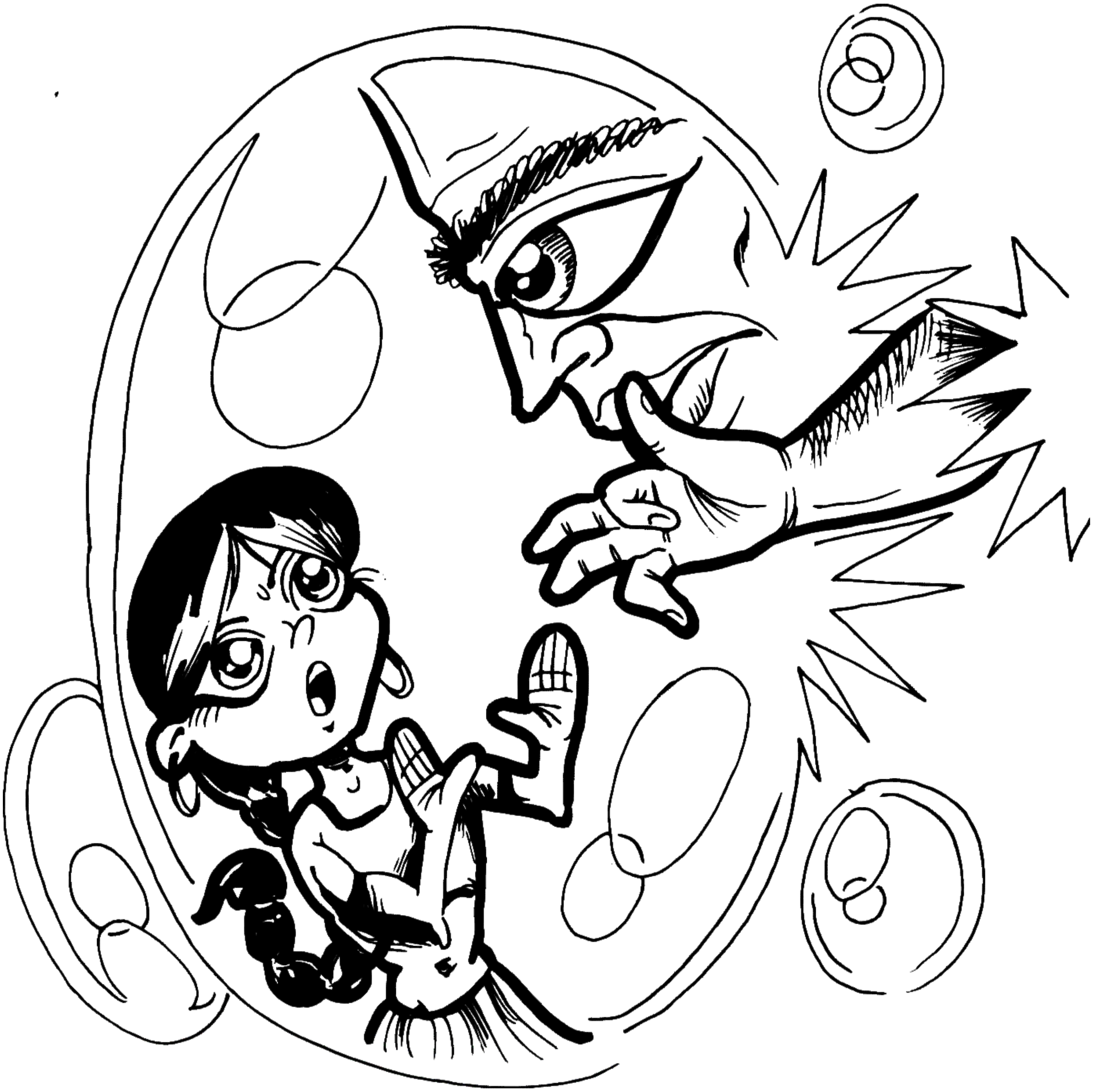

असुरक्षित स्पर्श ठीक नहीं होता। असुरक्षित स्पर्श हमें चोट पहुँचाता है,
और हमारे चेतना चक्र को तोड़ देता है। जब कोई हमें थप्पड़ मारे या धक्का दे,
या चूंटी काटे, बाल खींचे, ये सब असुरक्षित स्पर्श कहलाते हैं।

असुरक्षित स्पर्श होने पर, हमें रोना आता है, गुस्सा आता है, हमें दुःख होता है।
क्या आप बताओगे और किस तरह का स्पर्श आपको असुरक्षित महसूस कराता है?

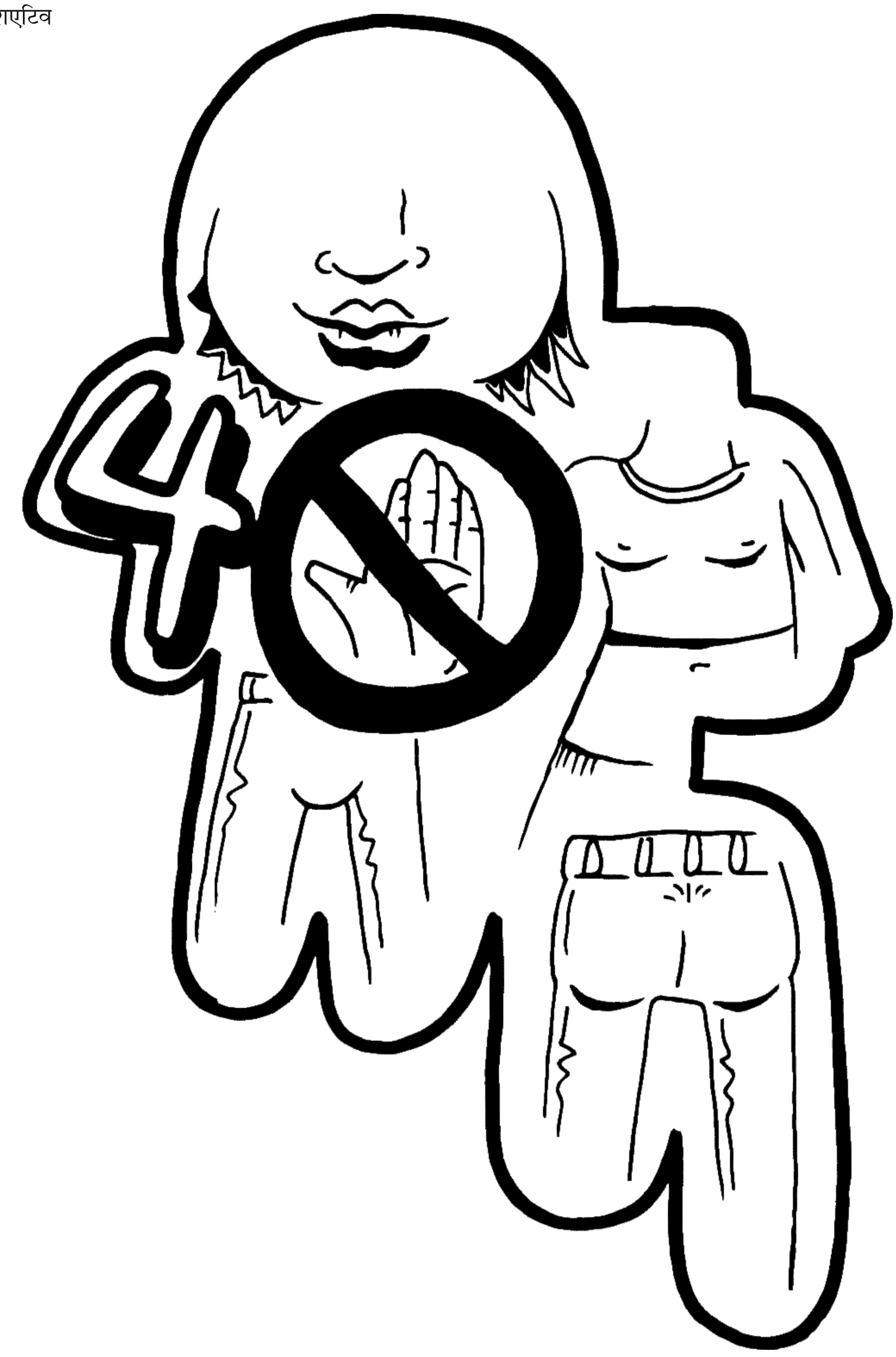

गुप्त स्पर्श असुरक्षित होता है, इस तरह के स्पर्श का सामना करना मुश्किल भरा हो सकता है। हमारे शरीर के चार भागों में कोई भी कभी भी हाथ नहीं लगा सकता। ये चार भाग हैं- मुँह पर, छाती पर, दोनों पैरों के बीच में आगे और पीछे। अगर कोई भी इन चार जगहों पर हाथ लगाये तो यह गुप्त स्पर्श होता है, इन चार जगहों पर न हम किसी को हाथ लगाते हैं, और न ही कोई और हमें हाथ लगाता है। गुप्त स्पर्श वह है जिसे छिपाये जाने के लिये कहा जाता है, जिसके बारे में बात करने में हिचकिचाहट होती है और शर्म महसूस होती है।

संवेदनशील चित्र

नोट – ये चित्र गुप्त स्पर्श के सांकेतिक उदाहरण मात्र हैं, जिनका उद्देश्य छोटे बच्चों को स्पर्श के बारे में शिक्षित एवं जागरूक करना है। इस चित्र का उपयोग अभिभावक या शिक्षकों की उपस्थिति में ही करने की सलाह दी जाती है।

गुप्त स्पर्श

गुप्त स्पर्श कोई भी कर सकता है और वे आपको इस विषय में चुप रहने के लिए कह सकते हैं, धमकी दे सकते हैं या वे आपको चुप रहने के लिए गिफ्ट दे सकते हैं। यह ध्यान दिया जाये कि गुप्त स्पर्श हर स्थिति में हानिकारक है इसलिए बच्चों को भरोसेमंद लोगों को गुप्त स्पर्श की जानकारी जरूर देनी चाहिए।

संवेदनशील चित्र

नोट – ये चित्र गुप्त स्पर्श के सांकेतिक उदाहरण मात्र हैं, जिनका उद्देश्य छोटे बच्चों को स्पर्श के बारे में शिक्षित एवं जागरूक करना है। इस चित्र का उपयोग अभिभावक या शिक्षकों की उपस्थिति में ही करने की सलाह दी जाती है।

गुप्त स्पर्श का उदाहरण

अगर कोई भी, चाहें वह आपका जानकार हो, रिश्तेदार या अनजान आपको असुरक्षित स्पर्श या गुप्त स्पर्श करे तो आपका पूरा अधिकार है, विरोध करने का, क्योंकि आप अपने शरीर के मालिक हैं, और किसी को भी आपको नुकसान पहुँचाने का हक नहीं है।

यदि कोई आपको हानि पहुँचाने के लिए गुप्त स्पर्श का प्रयोग करें
तो अपने से बड़ों की सहायता लेनी चाहिए।

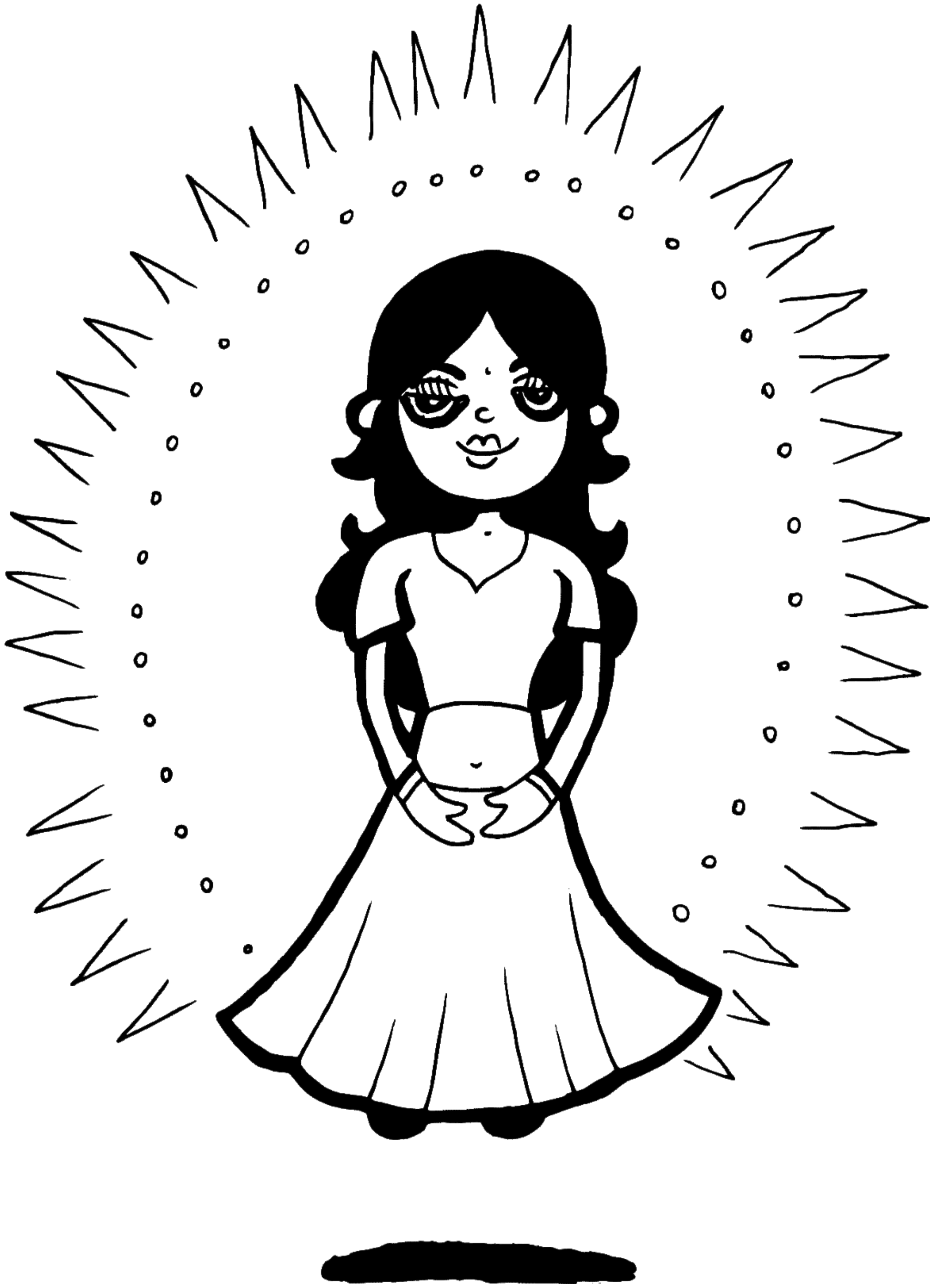

हमेशा याद रखो कि आप खास हो। इसमें बच्चों की गलती नहीं है।
अगर कोई आपको गुप्त स्पर्श करता है या नुकसान पहुँचाता है तो आपको डरना नहीं चाहिए, और न ही शर्माना चाहिए। हमेशा अपने भरोसेमंद बड़ों से बात करनी चाहिए।

हर बच्चे को है

सुरक्षा का अधिकार

क्योंकि हर बच्चा है खास

एक रंग पुस्तिका

बाल यौन शोषण से बचाव की ओर

NIRMAL INITIATIVE

निर्मल इनिशिएटिव

यह रंग पुस्तिका समाज कल्याण हेतु निःशुल्क वितरण के लिए है।
इसका व्यावसायिक उपयोग न करें।

© सर्वाधिकार सुरक्षित 2023 – निर्मल इनिशिएटिव
द्वितीय संस्करण (संशोधित)

सम्पर्क हेतु :

निर्मल इनिशिएटिव

297, श्री गणेशानन्द आश्रम
गुरुकुल रोड
वृन्दावन (उ.प्र.)
281121
वेबसाईट : www.nirmalinitiativetrust.org
ई–मेल : nirmalinitiative@gmail.com